

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरु प्रसन्न ॥ श्रीमाते तीप्रसन्न ॥ श्रीरामदा ॥
 लोमेशोत्तने गथाधर्मी ॥ ऐकाहारी चंद्राची महिमा ॥ ज्याचे प्रव
 धीरपनाची महिमा ॥ जाहाले ब्रह्मांडमंडपी ॥ १ ॥ जो आवी ध्ये
 चानुपती ॥ पुरानी ज्याची महिमा वनीती ॥ जो पुंयेवंसीचाचे
 कवती ॥ हारी चंद्रा जेंद्र ॥ २ ॥ पुर्वीचे सकळ पवर ॥ हारीचे र
 द्रासी देती करभार ॥ दानसीक सत्व समुद्र ॥ सेना आर्षो तथाची ॥ ३ ॥
 दुःखदरी द्रुष्टा क पाही ॥ आयोध्ये माजी नरो काही ॥ लो
 कसभायें सर्वही ॥ द्रव्या नाही मीती तेथे ॥ ४ ॥ आयुध्येचे सुं
 दरपन ॥ पाहो बला जे श्री भुवन ॥ सदा फळे दी व्येकना ॥ व
 संत देखोनी सुखावे ॥ ५ ॥ जो व्यासवाल्मीचा गुरु ॥ जो सकळ
 सीधामाजी माहा मेरु ॥ लोनारद मुने स्वरु ॥ आयुध्ये सीपात

यश्री॥ क्वोरयासीनेच॥१५॥ दोघ आश्रमागेले॥ वशीष्टेत ॥२॥
 पवारंभीले॥ आपेजेनयावेहलोनी॥ वहीले॥ हारीश्रेंद्रास
 नोनी॥१६॥ कापटे आनुष्ठाण थोर॥ देशेवारंभीवीस्यामीत्र॥
 परजंयहावेहाश्रेंद्र॥ ऐसाप्रकारमांडीला॥१७॥ आकरंको
 टीमाहाव्याघ्र॥ बनातसोडीवीस्यामीत्र॥ मनुजोमक्षीतीसम
 म॥ वाटआनुमात्रचालेना॥१८॥ बनातनवागेमणुडो॥ कैची
 कुरवाडी आवधीवसा॥ समाचाररायास॥ सांगतीलोकन
 गरीचे॥१९॥ राजाहनेप्रजापीडीती॥ मगमीकासीयानूप
 ती॥ लेकुराटेसीपाकीप्रीती॥ प्रजानीश्रीतीपाकीमी॥२०॥
 सीधकरोनीच्यातुरंगसेना॥ हारीश्रेंद्रचातीलावना॥ सवे
 लारमतीजांगना॥ नीघतीजातीकवतुके॥२१॥ वनानीघा

लाहारीश्रेंद्र॥ करीलयाघ्राचासंहार॥ आनीकसावजेआ
 पार॥ मारीनूपकरसेतधवा॥२२॥ सीधआश्रमीवरोवीस्या
 मीत्र॥ ककलातयाचासमाचार॥ कोपावलासुडोस्यरा॥ क
 पटथोरमांडीला॥२३॥ मावेचेरगकरनी॥ पाटवीलेतयाव
 नी॥ हारीश्रेंद्रतेदेखोनी॥ तुरंगवेगेलोटला॥२४॥ दोघ
 हीरगपकत॥ आले॥ सीध्याश्रमाथावत॥ हारीश्रेंद्रपातला
 तेथे॥ आपुर्वदेखेआश्री॥२५॥ गाईहीआनीयाघ्र॥ तेथच
 इतीनीवेर॥ सर्पआनीमुंगसमीत्र॥ देशेआनुमात्रनसेची॥२६॥
 पश्रीकरीतीवेदध्यायन॥ वास्वानीतीबात्रपुशन॥ हारीचेद्रेते
 देखोन॥ आश्रीर्यकरीपुर्नमनी॥३०॥ तौरमतीप्रधान॥ मा

3
3
चुना शेना बाली आ पाशा संपुर्ण॥ ऐ को नी पक्षा चे भा शे न॥ म 3
ण म की चे सं तो शे॥ 39॥ तो देखी लसी व स्थान॥ का स्मी रा चे स्त्री
स्थाना दे उ क जान॥ मा जी मही ली ग प्र क्षा घन॥ दे स्वो सं तो
शे हारी श्रेद्र॥ 32॥ परी वारे सी ते थै रा ही ला॥ रा य नी ये ने म
सारी ला॥ शो ड शे उप च्या री पु जी ला॥ अ म गे ला स म स्त॥ 33॥
वी स्या मी त ते धे नी दो घी पा ट वी ल्या मां ता गी नी॥ उ त म
गा य न करु नी॥ शं वं भु ल वी नी भो गी जे॥ 34॥ रं वे ऐ सी सुं द
रा॥ गा य न करी ला सुं स्वर॥ प्र सं जा ला हा री श्रेद्र॥ ह ने का
ही व र मा घ आ ला॥ 35॥ ते ह न न ती ऐ क रा मा॥ आ ह्री हो उ तु
नी भा र्थ॥ ला रा म ती मी दु र क रो नी या॥ भो ग आ ह्रा मा दे ई जे॥ 36

लो स की ती प्र दान॥ को धा व ला ऐ को न॥ दु ता सां शे नी ग ह क
रु न॥ या स बा हे र घा ला वे॥ 37॥ ह या दो घी च्यां ड क नी॥ आ हे
त के व रु मा तां गी नी॥ दु ती बा हे र घा त ल्या ढ क लु नी॥ गे ल्या
ते धे नी रु शी पा सी॥ 38॥ सां ग ती सर्व वर्त मा न॥ आ ह्रा स बा
हे र घा त ले ढ क लो न॥ वी स्या मी त को धे क रु न॥ सी श्ये
घे उ नी णी घा ला॥ 39॥ को पे का पे थ र थ रा॥ दे उ क्ता त आ ला
स ल रा॥ ह ने च्यां ड का च्या कु म रा॥ म ज वी स्या मी त ने न
सी॥ 40॥ मा ज्ञा म ही मा ना ही क रु ला॥ तु सा पी तु म्या उ ध री
ला॥ ईंद्र प दा पा ट वी ला॥ यां ग क रु नी स्य हा स्त॥ 41॥ पी तु

४

दोही गुरु दोही गोहाया ॥ घड़की हो ती तुझी यापीया ॥ के वं क
 च्यां ड क जा ला हो ता ॥ तो म्या ल ल ता उ ध री ता ॥ ४२ ॥ ते आव घ
 ची वी सरु नी ॥ के ला मा झ्या वा पी या आ प मा ना ॥ मा झी स्या पद संपु
 र्ण ॥ तुझे काय कारन व ध्या व या ॥ ४३ ॥ स्या पदे मा झी वा के सम स ॥
 की डत हो ती व ना त ॥ तुको न व ध्या व या य धे ॥ सां गे व री त ड
 र्जे ना ॥ ४४ ॥ तु स्या गुरु चे शे भ र पु च ॥ म्या व धी ले शे न मा वी ॥
 तो मी वी स्या मी त्र ॥ मा झे चे री त्र ने न सी ॥ ४५ ॥ म्या वं झी या सी
 वा द करु णी ॥ प्र ती शु ष्ठी के ली संपु र्ण ॥ तो आ पु ल वे भ व क
 रु न ॥ दा ख वा व या आ ला सी ॥ ४६ ॥ तो स की ती प्र धान स प्र वे
 त ॥ रा जा धा ती दं ड व त ॥ तारा म ती चे र न ध री त ॥ आ ली सं से

पांडव

॥ श्री ॥

प्रनाप

आप रा धी ॥ ४७ ॥ शे म के रा त सी रा या ॥ ह्य ने नी पु ह ती ला ग ती
 पा या ॥ रु णी ह्य ने स्या प दे व ध्या व या ॥ का या दा या आ ला सी ॥ ४८ ॥
 ऐ से वी स्या मी त्र बो लो न ॥ गे ला आ श्र मा सी को पो ने ॥ रा व पर
 म श्र मो न ॥ नी ल भु व नी प्र वे श ला ॥ ४९ ॥ आं ॥ रा जा पर म ची
 ता कां त ॥ नी का के ली य क मु हू ली ॥ तारा म ती मां डी दि त ॥ उ रा
 रा या चे ते ध वा ॥ ५० ॥ रा य दे री ल स्य म ॥ को णी य क आ
 ला बां ह न ॥ स्या चे पा य धु व ने न ॥ सक क र अ जे दी ध ले ॥ ५१ ॥
 तो बां ह न ह्य ने ते शे नी ॥ रा या दी जे म ज ला गू नी ॥ आं को शे
 लगाम ले ख नी ॥ यरे ते क्ष नी दी ध ली ॥ ५२ ॥ सवे ची य क वी व सी ॥

4

जों बे यडुनी राया सी ॥ राव गजब जो नी मान सी ॥ जागा जाला
 ते धवा ॥ ५३ ॥ करुनी या हारी स्मरन ॥ तारामती ससांगे स्थ
 पन ॥ समुद्रवल यं की तसंपुर्न ॥ राज्ये ब्रां हना सी दी धले ॥ ५४ ॥
 तो वी स्यामी त्ररु पया लटो न ॥ होउनी आ ला ब्रां हन ॥ दी धले
 राया सी आ सी र्वचन ॥ नृपे पुजे नपै के ले ॥ ५५ ॥ रौं जा ह्यणे
 ब्रां हना सी ॥ चाल जाउ आ यु छे सी ॥ तु म ची द शे ना
 दे इ न नी श्वे य सी ॥ ह नो ने भा शे दी धली ॥ ५६ ॥ राया सल
 ने ब्रां हन ॥ म जे ओ ट भार दे इ सु व र्ण ॥ राजा बो ले प्री ती
 करु न ॥ आव शे घे उ न जा ई जे ॥ ५७ ॥ सी वी के बे स वी ला ब्रां
 हन ॥ राजा चा ली ला आयु ध्या कारन ॥ सुखा सनी आरु

ठो न ॥ तारामती चाल ती ॥ ५८ ॥ पुढे का टी कर जा ती धा को न ॥
 आयु ध्या श्रुं गारी ती सं पु र्ण ॥ मं दी री प्र वे स ता वी ध्या ॥ वी स्या
 मी ने मां डी ल ॥ ५९ ॥ सुखा सनी तारामती ॥ मं दी र मा जी जा त हो
 ती ॥ दं डी धरो नी पर ती ॥ पा द्री लं क्षी ती त य सी ॥ ६० ॥ को ह जा
 जा ती म ह नो न ती य सी ॥ वो ढो न ध री ले के सी ॥ सो टा घे उ
 न ती ये सी ॥ मारी ता जाला हे सी य ॥ ६१ ॥ चा य उ म टे जे थ ॥ चक्
 चक्कार क वा हे ते थे ॥ थर थर का पे चें ड वा ते ॥ के वी जे सी म कु रा
 र ॥ ६२ ॥ धा उ नी आ ला नृ प ना थ ॥ ब्रां हना चे चेर न ध री त ॥ यर
 थर थर का प त ॥ को थे थं र थं र का प त ॥ बो ले त या सी ॥ ६३ ॥
 मा शे ओ ट भार सु व र्ण ॥ दे रे आ धी आ नो न ॥ तु घ रा त बे स सी

६ जाउन ॥ माझे स्मरण तुज कैचे ॥ ६१ ॥ मी जाता द्रव्येचे इन ॥ तुज क
 रने दी आंन पान ॥ राय आंन वीले सुवर्न ॥ मां डारी या सां गोनी ॥ ६२ ॥
 पुढे के ली सुवर्न रासी ॥ यरु लणे हारी चें हासी ॥ आमुचे आहासी
 चदेसी ॥ मां ती कै सी तुज पुढु ली ॥ ६३ ॥ आमुचे आहास देउन ॥ काय
 करीसी तुदान ॥ गुरु वसी छे सी कवन ॥ सी क वील तुज लागी ॥ ६४ ॥
 तुवां सक कर जे दान ॥ दी धले मज पाय धुवो नां ॥ आंको इत
 गा मले खनी ॥ दान तुवा दी धले ॥ ६५ ॥ रायचे रनी दे वी ला माया ॥
 लने धं मे के ले आता ॥ राजा आं तीण कृत तला ॥ कोने भो
 गाव सा मीया ॥ ६६ ॥ माझे वज्र उतरिल ॥ कुपा कुवा ध्यावन के ला ॥
 वी प्रलने बहून बोले ॥ माजी दक्षे ना देई आधी ॥ ७० ॥ मग प्रधाणा

पांडव

॥ श्री ॥

प्रताप

सही त सक कर जना ॥ राजा सां मे करुनी प्रार्थना ॥ म्यारा जे दी धले
 वंलना ॥ याची आजा पाकी जे ॥ ७१ ॥ माझी दक्षना मज लागुनी ॥ देल नोणी
 दो घेवां धीले लेखेनी ॥ तारा मती सके सी धरुनी ॥ माही त शंस को
 धे ॥ ७२ ॥ जीचा मुख मकाशे देखोनी ॥ चंद्र लाले आधो वदन ॥ तीचे
 हात बांधीले आवकुन ॥ समस्त जे गदेखती ॥ ७३ ॥ वी स्या मीचा
 लोक सी सा देली ॥ कैचा हा आनी लान गरा प्रती ॥ सकळ लोक प्र
 जारुती ॥ तारा मती सी पांडुनी ॥ ७४ ॥ दोघाचे तोंडा वरी मारी ती ॥
 आसु धसत सडा वाडात ॥ म्यग्रही देखोनी समस्त ॥ पीडा पाहाती
 लयाची ॥ ७५ ॥ गगरीचे वेहारी धावती ॥ हिन ती आही सोडु नृप
 ती ॥ आहाद्रव्याची नाही मीती ॥ मेळु उनी श्री ल आनी क ॥ ७६ ॥

७
मग नो लेहारी श्रौं ॥ जे प्रजा चे द्रये ती नृपवर ॥ ते परम च्या डाकडु
रा च्यारी ॥ भोगी ती घोखवरव ॥ ७० ॥ वी स्या मी त्रहने तुघे सी ॥ मी
देउन दे वेहारी या सी ॥ सकक प्री थी ची या धना सी ॥ स्या मी मी च
नी धरि ॥ ७१ ॥ मागु ती तारा मती ते ॥ वी प्रमारी नी जहा स्ते ॥ यरीं धा
उनी धरी चे रना ते ॥ गठी वर लोका तेण धर वे ॥ ७२ ॥ तो रो ही दा
म पुत्र य उन ॥ धरी वी स्या मी ना चे चे रना ॥ स्या मी मी गा हा नरा
डे न ॥ इ दे देश न तु म चे तु हा ॥ ७३ ॥ ते हा वी स्या मी त्र बो ले ॥ हे को
ना चे पो र म धे आ ले ॥ फार न ड न ड आं ग के ॥ ह नो नी मारी से टे
व ही ॥ ७४ ॥ रा व ह ने मा सा कु मर ॥ आ हे तु म चा की कर ॥ वी

प्रहने दा वे दार ॥ पु टे रा जे शे ही ल हा ॥ ७५ ॥ ह नो नी फ ड फ ड मा
री त ॥ ले क ल भुं मी वरी लो क त ॥ ह ने दी जा चे न घे स से ॥ बा पे तु हा
मी दी घ ले ॥ ७६ ॥ म ग रु सी ह ने ती घे ज न ॥ मा स्या रा ज्या तु न जा
मा ॥ मा शी द क्षे ना फे डु न ॥ वे गो क ल नी आ ता ची ॥ ७७ ॥ रा व ह ने
न व चं डा बा हे री ॥ जा ही न वारा न मी ग ठ री ॥ तु म ची द क्षे ना नी ध री ॥
म ल हा परी फे डी न ॥ ७८ ॥ सा ता दी व सा फे डी न री न ॥ ह नो नी दी घ
ले भा इ ये व चे ना ॥ म ग त या ची आ जा घे उन ॥ ती घ चा ली ले का
सी या ॥ ७९ ॥ लो वी स्या मी त्र धा व त ॥ तारा म ती सके सी ध री त ॥
मा शी व स्त्रे आं क कार स म स ॥ फे डु नी जा वे व ना ल हो ॥ ८० ॥

तीघाची वस्त्र आहंकार ॥ संसारी ॥ घेउनी उघडी के ली सम ॥
 ७॥ वक्रलेखे घुनी सतर ॥ नीघते जाले तीघे जन ॥ ८॥ नगरातु
 नी उघडी चालली ॥ तेहायक चीहा कजाली ॥ सकरु प्रजातयवे
 की ॥ सीरआपटी तीघरनीया ॥ ९॥ हनती हारी चेंद्रानारायना ॥
 हेकादाखवीसीनेना ॥ वनाजातो हारी चेंद्राना ॥ चेरनचाली
 चालत ॥ १०॥ हारी चेंद्राऐसा सुपती ॥ आतानदेसोत्री जेगती ॥
 लोकरडुसंपाढी धावती ॥ करीती आकांतबहुतपे ॥ ११॥ जण
 रडती धायमोकलुन ॥ पसुपक्षी करीती रुदन ॥ थोरअकं
 तजाहालादाहन ॥ कोहा आनपानी नाहवे ॥ १२॥ वीस्यामीत्र
 हनेशयाप्रती ॥ लोककाहो तुहामाघेयेती ॥ मगकायकरावी

पांडव

॥ श्री ॥

प्रताप

नी श्रीती ॥ बोसबगरी सांगपा ॥ १३॥ तेहायलोकसमसा ॥ पर
 तावीलेजेडुनीहास्त ॥ तीघेचालीलेनीष्टकवरीता ॥ चेरनेचाली
 यकली ॥ १४॥ पुढेचेरनचाली नृपवर ॥ माघेसाशमती सुंदर ॥ हाडु
 हारोहीदाससकुमार ॥ चेरनीजातवनातहो ॥ १५॥ सूर्यसीलनेवी
 धन्यामीत्र ॥ आताउंडीबाराहीनेत्र ॥ तपोलागलादीनकर ॥ वीस्या
 मीत्रआजेन ॥ १६॥ परमतीव्रतपेवासरमनी ॥ पाशानउष्टहोती
 धरनी ॥ १७॥ व्रक्षेगलेकरफोनी ॥ उदकमेदनीयेबणसे ॥ १८॥
 वसनासीसांगेवीस्यामीत्र ॥ उदकआटवीसमग ॥ समीरातु
 राहेस्त्रीर ॥ नकोयउंतीधावरी ॥ १९॥ व्रक्षेनाहीफकनाही ॥ सु
 र्यतपेतीव्रपाही ॥ सराटेपसरीलेसेनेमही ॥ वाटकाहीदीश

मा ॥१९॥ उष्ट्र मही तापली आयां त ॥ शे शा चा ही माथा पो क्त ॥ त्रु
 शे ने करु वक्तु ती बह, त ॥ जे क कोटे ण शे ची ॥ १०० ॥ ती घे ता पी ले
 उष्ट्रे करु न ॥ तों डा र्वे सी आली दा रु न ॥ उद का वी न जा ती प्रा ण ॥
 ती घा चे ही ते ध वा ॥ १ ॥ मा र्गी जव ती घ जा त ॥ उष्ट्र त या ये जं
 ग कर प त ॥ मा ता पा नी दे ह नी त ॥ रो ही दा स स कु मार जो ॥ २ ॥
 को र ड तो डा स प ठ त ॥ बा कू हो त मु छी ग त ॥ जा ता थोर आ
 कां त ॥ मा य वा पा ल नो नी ॥ ३ ॥ बा रे पा नी ना ही य थ ॥ आं शु पा
 त आ ले रा या ते ॥ क डे घ त ले रो ही डा सा ते ॥ पा ई र कू वा हा
 ती ॥ ४ ॥ उद का कार न हा री श्रें द्र ॥ शे धी त धा वे गी री कं दर ॥
 आ ड स शे व र वी ही र ॥ मं गा दी स म ग को र ड या ॥ ५ ॥ उद क ण मी

के कोटे जाण ॥ आला मा घारा पर तौ न ॥ रो ही दा स उद के वी न ॥ प्रा न सो
 कू पा हा र्ती मे ॥ ६ ॥ म ग ज व की बै सो नी नृ प ना थ ॥ व द न पु त्रा चे न्या
 हा की त ॥ वा रा घा ली त पु ठे ये त ॥ हृ द ई ध री त त या सी ॥ ७ ॥ दे शे पु
 ठे चा ल त ॥ सा उ ली न दी से ते थ ॥ ८ ॥ जा ला थोर आ कां त ॥ प क्षी र
 उ ती दे खो नी ॥ ९ ॥ ते हा वी स्था मी त्र का य क री त ॥ व र्ध ष्ठ ब्रां ह्म
 न हो उ नी य त ॥ रा ये के ले दं उ व त ॥ आ ले त को टु नी पु त त शे ॥ १० ॥
 ते ह ने स्त्री मा क्षी ग मी नी ॥ य क पु त्र म ज ला गु नी ॥ आ न हा नी
 ती घे य व नी ॥ पा दर भ्या दे ई आ हा ॥ ११ ॥ ब्रां ह्म न गु स जा ता
 ले थ ॥ ती घे आ न हा नी जा ती पं थ ॥ उष्ट्रे आं ग कर प त ॥ कै
 ची ये थे सा उ ली ॥ १२ ॥ पा या चे बो क शे नी घा ले ॥ जे थे प ड ती पा

उले ॥ रुधीर तेथे सांडीले ॥ प्रानजा लाका साजीस ॥ १२ ॥ बाहू लांडी
घेतले आशे ॥ मानटाकी रोहीदास ॥ माले पानी पाज हानी तसे ॥
दोघे अमली येकोनी ॥ १३ ॥ वाराणशे आनुमात्र ॥ कर्पुनी गेली शोरी
र ॥ कढोला गले ओंबर ॥ आली उष्टे करुनी ॥ १४ ॥ मग वीर्या मी
त्रनेनेकी ॥ उदका चीपोहे वाटेसी घाली ॥ भोवती व्रक्षाची साउ
ली ॥ सुगंध वायोतक पत्ता ॥ १५ ॥ तेथे पुष्पाच्या सेजा ॥ रचील्या
आसती नाना वोजा ॥ भोगांगना सुतेजा ॥ रंभाऐ स्यापेतेया ॥ १६ ॥
सहटाका वयातयाचे ॥ उपाय करी नाना परीचे ॥ परीघं येहारी
श्वेंद्राचे ॥ णटके साच सर्वदा ॥ १७ ॥ उदक घेतुनी तरीत ॥ वीर्या
मीत्र सा मोशयेत ॥ ह्मणे अमले ती बहुत ॥ उदक पान कराहा
॥ १८ ॥ चला पोहे आ

असात्त ॥ वी आंती पावाल तेथे ॥ हारी चंद्र हनेससे ॥ तुली जालतां दीजेव
रा ॥ १९ ॥ जेने पोहेचे उदक पान केले ॥ साचे पुंन्ये सर्व गेले ॥ जे आंन
छे श्री जे वीले ॥ साचे सरले मुक्त ॥ २० ॥ ऐसा बोलीला हारी श्वेंद्रा ॥
पुढे जाता सलस मुद्र ॥ उदक न शेवी आनुमात्र ॥ शांती धीर माहात
जा ॥ २१ ॥ तो माद्युनी आली तार मती ॥ ब्राह्मन हणे वो माहासती ॥ तु
अमली स आ अमा प्रती ॥ चाल माझे मातो श्री ॥ २२ ॥ मग ते हनेते प्र
णे यानी ॥ मी राया हारी श्वेंद्रा चीरानी ॥ मी यथीचे पी ई नापानी ॥ हेस्य
मी ही न घडेची ॥ २३ ॥ जा रील तरी जावो प्रान ॥ परी मी न करी उदक
पान ॥ मग मावे चाहारी श्वेंद्र करुन ॥ आ श्री ब्राह्मन बेसकीला ॥ २४ ॥
नाना परीचे उपच्या रा ॥ भोगी तशे हारी श्वेंद्रा ॥ तारामती स हणे

कीध। पैकालुसा भतारपै। २५। पाच्यादीने लुजिगापाई।
 चाळअभापाळवळडी। चरीहनेअसेकाडी। अनवउर
 चापासुनी। २६। शेषसडिगाथीथीभार। प्रयादसो
 जिलसागर। परिसहनसडीहारीशेद। पोहेदर
 प्रवेशना। २७। लाराप्रतिपुडेजाता। वासनननान
 धनेमाउकीडियांन। सप्तरेपेपडिसे। २८। लोचु
 कादेशीकासेहीदासा। हिस्वामीत्रलनेनचासा।
 उदकचेइसायकास। भागेरभीचेबाळका। २९।
 कोअनेआननेभीभोजेन। पोहेसककेउदकपान।

हेसुधचोसोपुनी। वनलेचपेनाई। ३०। तैसाचबाळपु
 डेचालता। मानेमाचेअमत्त। ब्रांसनअणेधयेयाचेसल। नाके
 जाततैसाची। ३१। मकीस्यामीत्रपुडेजाउनी। वणवालावीलफ
 हुकडोनी। मावजजातीजकोनी। आकांतवनीवर्तला। ३२।
 पक्षीचरफडोनीमरती। ज्वाळाआंतराकीकवकीती। धुरदाट
 लादीशाप्रती। णदीसतीयेकयेका। ३३। लारामतीअणजेरो
 हीदासा। तुकैसाचसीलआता। मगसरलेलक्ष्मीकांतला। कु
 ष्मगोवीदाधायका। ३४। वनवाआकासीझोंबता। बाळ
 मानेकंहीमीहीद्यालीला। बारदुलकायद्यालुपोटाता। को
 डेलपुसंगपा। ३५। हारीचंद्रबोलेवचन। आसातीद्यासी

वा

आले मरन ॥ परीया ब्रीपनाचे रीना ॥ माथा पुनवे सले ॥ ३६ ॥ रा जाहणे ता
 रामती ॥ हृदई ची तावा श्रीपती ॥ ज्याचे नाम घेता हारती ॥ सककृती सं
 कट ॥ ३७ ॥ वारे पुत्र रोहीदासा ॥ आंतरी स्मरी ले जगंनी वासा ॥ वैकुण्ठ
 पती आदी पुत्रा ॥ ब्रह्मानदा सुखाध्वी ॥ ३८ ॥ रोहीदासाचे उनी कडे
 वरी ॥ पुढे राये जाता झडकरी ॥ तो चुकली तारा मती सुंदरी ॥ पडली
 दरी आडुमार्गी ॥ ३९ ॥ तारा मतीने भवता लपाही ले ॥ ह्यणे पती पुत्र
 जको नीमेल ॥ आता माझे उरले ॥ प्राण अर्थ कासीया ॥ ४० ॥ पती पुत्र
 गेला जको नी ॥ मग म्या काय करावे वाचोनी ॥ मग हने वारे आग्नी ॥
 ठाव देई पोटात ॥ ४१ ॥ पती माझा बहु कोवळा ॥ श्रान संघे सीडो
 झिल आवेळा ॥ वाट पाहात आसे लबाळा ॥ स्वर्ग पंथ पै जाता ॥ ४२ ॥
 केला सुयी सीत मस्कार ॥ हृदई ची ती लार मा वर ॥ जवकी केला वै

॥ पांडव ॥

॥ श्री ॥

॥ प्रताप ॥

स्थानर ॥ प्राणद्यावया कारन ॥ ४३ ॥ ऐसे देखो नी वी स्या मीत्र ॥ येगे वी ज्वी
 ला वै स्थानर ॥ ते वेळा होउ नी वी प्र ॥ सती पासि पातला ॥ ४४ ॥ मग हने वो
 पती वने ॥ कोठे जाती स मने पंथे ॥ यरी हने ताना तुहाये ॥ वीथ च्यारी ते
 सांग पा ॥ ४५ ॥ पुरुशे आनी यक बाकू तवता ॥ देखी ले काय तुह्मी यता ॥
 यरु हने पुत्र आनी पीता ॥ जको नी याप डी यले ॥ ४६ ॥ तो डाव होनी गेल
 आनी ॥ मेले दोघे ही भाजोनी ॥ मग दाखवी तसेने उनी ॥ कोळा काप
 टेक केना ॥ ४७ ॥ कापट्या ची मडी के ली ॥ परी मती स मय वाटली ॥ मग
 धरणी वरी आंग घाली ॥ हृदई धरी दोघाये ॥ ४८ ॥ मग हने ते आं स्य
 री ॥ मज सांडो नी वनांतरी ॥ पेणे के ले बहु दुरी ॥ दोघे ही यक दाची ॥ ४९ ॥
 आवी धे श्री यारा ली द्रा ॥ परम उदार गुण समुद्रा ॥ सल सी कदा री चे
 द्रा ॥ माहासुरा वळे तपती ॥ ५० ॥ सककृ प्रथीचे नृपती ॥ श्रेष्ठ पने तुज मा

वे

१३
ले

१३

नीती॥ त्रैलोक्ये भरीतु श्रीकीर्ती॥ देसीगती तु ज जाती॥ ५१॥ रोहीदासा
 कुननी धाण॥ तामा सीयके स्थन पाण॥ मज सोडुनी या समुत्त॥ वडीला
 संगे गेला सी॥ ५२॥ पानी स्नानता प्राण गेला॥ वारे पडीला सी जीने वीणा॥
 मासी काया तु से वरुन॥ ववा की न पुत्र राया॥ ५३॥ आयो ध्यापती पु
 न्नास सवेत॥ जकों पडीला वनात॥ पक्षी वक्षे रक्षण करीत॥ शोक
 देको नीतया चा॥ ५४॥ उवा उवा जी प्राणपती॥ शुधा कांत तु सी प्रसलेती॥
 मासे कुरवे के शोणी श्रीती॥ चेरन तु मचे झाडी न॥ सी॥ ५५॥ कोवी प्रस
 ने तारा मते सी॥ सु रीगे ला आस्त माना सी॥ लुकी ती शोक करी सी॥
 चाल आ प्रमा मा सी या॥ ५६॥ ये देक ता हने उतरा॥ यावनी सां होणी
 प्रतार॥ काय करु मा से शोरी र॥ व्येथ आ ता हे उनी॥ ५७॥ मग हने मी
 यचे शे नी॥ प्रतारा सवे घे शिन आ गी॥ परु हने दे की ल श्रवनी॥ प
 ती सतु स्या री न आ हे॥ ५८॥ पती चेरन पे ड सी ल॥ तरी तो स्वामी मुक्त हो

रील॥ वेथ प्राण वेचुनी फरु॥ काय आ से सांग पा॥ ५९॥ मग आं हन ते थोण
 गेला॥ थोर आंध का पडला॥ वीच्या मीने व्याघ्र पाहनीला॥ मावे चाकर
 न ते धवा॥ ६०॥ व्याघ्रे दोन प्रेत वढोनी॥ घेउनी गेला सती पा सोनी॥ यरी
 आरडत वनी॥ नाही को न्ही दु सरा॥ ६१॥ सती त कम वही ते वेळा॥ तो
 आकस्मात सुर्य उगवला॥ तो हारी चंद्र रोहीदास आला॥ आवची
 ला ते वाटे॥ ६२॥ तारा मती पतीचे पाय धरी॥ वर्तमान सांगे ते आवस
 री॥ परु हने ईश्वर सुत्र धारी॥ साची करनी आगा ध्या॥ ६३॥ गीरी केंद
 र आरंभ्ये॥ क्रमी ती जाती ती घे जन॥ बोसनगर भ्या सुरनम॥ सांडो
 जी जाती पुढे ची॥ ६४॥ देसे जे ती घे जात॥ तो वारा मती देखीली आक
 स्मात॥ जे आवलोकाता समस्त॥ पापे जाती जको वी॥ ६५॥ तो वाराण
 सी चीरचे ना॥ नवर्न वे सप्त व दना॥ वीच्या मी नगर नी नयना॥ हारी

श्रेष्ठे दे स्त्री ली ॥ ६४ ॥ दे स्त्री नेत्री भागे रथी ॥ आव लो की ता पा पे हार ती ॥
 ऐ सी ते भागे रथी ॥ वा हे श्री ती सर्व या ॥ ६५ ॥ म ग ती घे ते बे की सा ष्टां ग वा
 श न सी ल सी ली ॥ श्वा न करी ला जे स्त्री ॥ सु ख वा वै आ ष्टां ग ॥ ६६ ॥ घे त
 ल की स्य णा थ दर्श न ॥ बी दु मा ध वा द्या ती ती लो टां ग न ॥ लो वी स्य
 मी न य पु नी ॥ उ मा हा क ला ते ध वा ॥ ६७ ॥ तु हा मा घे की ती ही डा वे ॥
 ऐ से दान का सी या द्या वे ॥ ब्रां ल णा सी चा क वा वे ॥ को न्या गु र न सी
 क वी ल ॥ ७० ॥ म र्थि दा आ जी ची जा णा ॥ सु र्य जो जो य आ स्त मा ना ॥
 स व र द्या वी मा शी द क्ष न ॥ ल नो नी द्या सी आ डुं की ल ॥ ७१ ॥ हा श
 अ श्रें द्र ह ने ते क्ष नी ॥ आ जी दे ई न तु हा ला गु नी ॥ स्या मी क ष्ट ले
 ल व नी ॥ चेर न चा ती चा ल ता ॥ ७२ ॥ श य त्री स कु ची मु द्री का ॥
 न पा हा ती हो ती द र्शा ॥ ते वी को नी थे का ॥ नु न पे डीं त ती ॥ ७३ ॥ नृ ण

पांडव ॥

॥ श्री ॥

प्रताप

बांधो नी या मा था ॥ रा व ल ने आ हा सी को न्ही घे ता ॥ ज न स मु दा य या म
 व ता ॥ पा हा व या मी क्से ले ॥ ७४ ॥ ल न ती हा रा जा चे क व ती ॥ का य सा ती
 मा ची संप ती ॥ तो रा था स ह ने ता स म ती ॥ म ज प्र ती वी का आ थी ॥ ७५ ॥ म ती
 नु न मा था बां धो नी या ॥ उ श्री के ली वी का व या ॥ नी श्व ज न दे सो नी या ॥ रु
 द ण क री ती ग डी व र ॥ ७६ ॥ या त्रा मी क्से ली वा रा न सी ॥ ना ना प री चे पा हा ती
 ता प सी ॥ हृ ण ती डि मा हा स ती ॥ को न वी की दुर आ मा ॥ ७७ ॥ जी चे न स्या व
 हु न ॥ म द न जा य व वा कु न ॥ जी घे पा हा ता व द न ॥ चें द्र ला जो न आ धो
 हो य ॥ ७८ ॥ तो ग्रा ही के पा त ली ब ह न ॥ कुं ट नी आ आ ते थ ॥ दे स्त्री नी सो
 दर्य ॥ आ नु त ॥ सु व र्न कुं ट नी पे दे ती ॥ ७९ ॥ लो वी श्या मी त्र ह ने ॥ शि चे ये य
 कृ भा र सु व र्न दे ने ॥ कुं ट नी ल ने आव शे घे ने ॥ आ ता च दे ते तु हा ले ॥ ८० ॥
 ला रा म ती करी रु द ण ॥ ध री जी श्या मी चा चे चे स न ॥ म ज न वी का ने कुं ट नी का
 गु त ॥ ८१ ॥ दर प स रो म मा घ त रो ॥ ८२ ॥ लो का क को सी क ब्रां ल न ॥ पु से वी

साजातीयालागुन॥ तोलेयक्रभारसुवर्नी॥ ईचेघेईनलाताची॥ ६२॥ तेनेलाला
 कसुवर्नरासी॥ केतीकीश्यामीचापासी॥ हातीधरीलेनारामलीसी॥ चालय
 रासी॥ ६३॥ तोजाताहाहाकार॥ लोकरडुतीसमय॥ हनतीप
 रसच्यांडाककीश्यामीचे॥ सतीपकीत्रतीकीलीहो॥ ६४॥ कीप्रेताराप्र
 तीनेलीनेक्षणी॥ रोहीदासाकडेपाहोकी॥ आश्रुआळेसयाचेनेनी॥ आ
 श्रुनदनेसुंदता॥ ६५॥ ताराप्रतीपरतोनेपाहेसयाचेवदन॥ तुमचेआता
 दुर्लभचेरता॥ आंतरलेकीप्रजेलागी॥ ६६॥ तोकीसीहनेचलाबाई॥ य
 रीलागकीसयाचेपाई॥ नीचसीसेसमसी॥ आश्रुनेनीप्रीजतडा॥ ६७
 वाकअणेहारीशेंद्रालागुन॥ मीपाहीनमातेचेवदन॥ घरुहनेवार
 संपुर्ण॥ तुटलाजानतनानबंध॥ ६८॥ रोहीदासहनेताता॥ मीपाहोन
 यतोमाता॥ राजाकेलेतवता॥ वेदुनयडीप्रडकरी॥ ६९॥ मगधावीला
 लबलाडे॥ मातेसीहनेउभीरहे॥ मजसांडोनीआलाये॥ कोठजातीस
 सांगपा॥ ७०॥ ताराप्रतीहनेब्राह्मनाते॥ पाहेवाकधावता॥ पाहासनीद

क

टत॥ कंटीमीडीचाकीतेहा॥ ७१॥ स्तनघातलवदनकमसी॥ करेमुख
 लाचेकरवाकी॥ ब्राह्मनामीहनेतेवेकी॥ तानायकरैकाडो॥ ७२॥ याते
 द्रव्येदेई॥ यहुडवाककीकतधेई॥ हनोनीलागलीपाई॥ काककौसी
 काचेलेधवा॥ ७३॥ वाकजानीगाई॥ मेकवावेयकेटाई॥ कुरंगीनी
 हेमापाही॥ वीघडनकीजेसाहाराजा॥ ७४॥ कुपाउपजलीकाककौसी
 कासी॥ परतोनीआलातयापासी॥ हनेघालेकुसी॥ वीकतमीचघेतो
 ये॥ ७५॥ साचेआर्धभारसुवर्नी॥ ब्राह्मनेलाकाकडेउन॥ दोघामीचाल
 लाघेउन॥ आपुलेआश्रमासी॥ ७६॥ हारीशेंद्रहनेनारायना॥ जालाप्र
 टकैचीदोघाजना॥ हनोनीकरीरुदन॥ हारीशेंद्रराजासहर॥ ७७॥ मग
 तोआयोशेंचाणा॥ आपुलेसाथानुनबंधीत॥ लोकसद्दीतसम
 ति॥ कैसआघटीतवर्तनआसे॥ ७८॥ आरेहाहारीशेंद्रसहधीरा॥ आ
 योआनगरीचानुपनरा॥ जैवीश्वनाथहारहार॥ कैसेदुसरवडवले॥ ७९॥

के

स

मेदनीदुनी ज्याचे धैर्ये थोर ॥ समुद्रापरीसंगं भीर ॥ मेदनीपरीसुखप्राजापार ॥ ला
 लाधीरमाहासजा ॥ २० ॥ माथाडोलवीतीसकक लेन ॥ ह्यनतीयाचेमोलकरी
 लकोन ॥ कांठाकेघातलेत्रीसुवन ॥ लरीनगनीहारीश्रेंद्रासी ॥ ११ ॥ घेताहरीश्रें
 द्राचेणाम ॥ सकंपापेहोतीमस ॥ कैचांसां सुन ॥ आधर्म ॥ छेकीऐसाप्राहासजा ॥ २१ ॥
 लेधीचावीरबाहुमाहार ॥ सापासीद्वयेवापार ॥ द्वयेवीननीजेर ॥ जाकोनेदीप्रे
 ताते ॥ ३१ ॥ रावलनेडोंबाकागुन ॥ तुषीसांगालनेकार्यकरीन ॥ परीनुमचेण
 घेआंत ॥ कोरडेव्याम्येसजद्यावे ॥ ४१ ॥ दोनभारसुवर्न ॥ वीश्यामीत्रासीआपु
 ण ॥ रायधरीलेचेरन ॥ हनेम्याश्रमकीलेमौराजा ॥ ५१ ॥ आताजावेअथु
 धेश ॥ राजेकरावेसावकाश ॥ प्रगडोंबासांजातेनपनाथ ॥ जाताजाताम
 हाहाच्या ॥ ६१ ॥ तोमासावीदुर्गधीलेथे ॥ प्रेतपडतीआसंख्यात ॥ आसी
 चेपर्वत ॥ घराभोवतेतयाच्या ॥ ७१ ॥ रायाचेमनकंटाकत ॥ हनेबारे
 कर्मबकीवंत ॥ तोमाहारीआलीलरीत ॥ महाबाहीरपाहावया ॥ ८१ ॥
 हनेहाचकायआनीतानीकत ॥ हेतसकुमारश्रीमंत ॥ साचेरा

पाठव

॥ श्री ॥

प्रताप

तोसकाजैसेहात ॥ कामपुजीसीदेहारा ॥ ११ ॥ तुझाकोनेबुधीदीधली
 सांगा ॥ हाशेवकनडेआलाजोगा ॥ राजाहनेकर्मभोगा ॥ सामुलीटा
 कीलकीकाय ॥ २० ॥ रावलनेडोंबाकागुन ॥ तुषीसांगालनेकार्यकरीण ॥
 तुषीदोनभारसुवर्न ॥ वेचीलेकीमजलागी ॥ ११ ॥ पांघरावयासीपटक
 रा ॥ हारीश्रेंद्रासीदेतीमाहार ॥ झाडीसाचेआंगनसमग ॥ केरहीवीरवा
 कीलसे ॥ २१ ॥ रायाहातीमाहारदकवीत ॥ तरतरफोडहातापेली ॥ हा
 तीरकवाहाती ॥ परीनदाकीलयासी ॥ ३१ ॥ ज्याहालेकेलेदाण ॥ केलेसुखी
 प्रीथीचेआंखण ॥ साचेहातीकतनदकन ॥ डोंबाघरीकरीपै ॥ ४१ ॥ रा
 जीयाचेमुगुटसमस्त ॥ ज्याचीमचेरनीलोकत ॥ तोसीरीघागरीघेत ॥
 पानीवाहातडोंबाघरी ॥ ५१ ॥ तेजफाकेदीशांतरी ॥ तोउघडीयासीरी ॥ सा
 सीरीचेउनीघागरी ॥ मनीवाहेसर्वदा ॥ ६१ ॥ तोवीश्यामीत्रतोआवसरी ॥
 गुप्तपीफोडीघागरी ॥ दुसराघटयेमाहासी ॥ हनेआतातरीसांभा

की ॥ १७० ॥ तेडी फोडो लीटा कीती ॥ माहारी ने आमरवी दी धली ॥ चुंभ व्ही सीरी
 ची नीट केती ॥ मनी लेवे व्ही श्री त आ से ॥ १७१ ॥ तेहा तेडी घा गरी फोडीत ॥ राजा
 थर थर का पत्त ॥ माहारी यतु नी मारी त ॥ राया हारी श्रेंद्रा सी ॥ १७२ ॥ सीव्या
 दे १० ती माहारी ॥ कै चाहा जानी का आमु चा घरी ॥ ये थर द्ये नी धरी सी ॥ बुडो
 नी गे ले आमु ये ॥ १७३ ॥ मुहु र्ति घा गरी दी धली ॥ ते आने ल्या ण दा ह वंटा फो
 डी ती ॥ आनी माहारी नी को पती ॥ मारी ते वी व्ही का छु दंडे ॥ १७४ ॥ आणी
 क घट दी धला ते शे नी ॥ मग पानी मरी लेशं जनी ॥ वी स्या मी ने के वी
 करनी ॥ छी रूपा डी लव सं जना त्त ॥ १७५ ॥ आवे शे वी रूपा नी मरी ले ॥ सं ज
 नी का ही न तर ले ॥ डों बजे वा व या ते वे के ॥ आला बा हरे नी घरा सी ॥ १७६ ॥
 डों बजे पानी मा घ ता ॥ तोरी ता सं ज न र व डु घ डी त ॥ के सी थरे नी लो
 ही का न प ना थ ॥ ता व या मारी त सीरी या आ ॥ १७७ ॥ वी क मरी पानी मरी
 ल ॥ सं जनी का ही च ना ही उर ल ॥ ला कु डु प्रो की च घे ल ल ॥ पुढ ती मारी
 ल डों बाणे ॥ १७८ ॥ म ग हने मां स रं धी व ही ला ॥ रा व चु ली पुढे वें स की

ला ॥ आ म्भ फुं की ता ते वे का ॥ ज को नी गे ली दा ही मी सी ॥ १७९ ॥ सु र्प आ ल
 माना गे ला ॥ को र डु आं न दे ते वे का ॥ ते द को नी घे वो नी ला ला ॥ भा गे र ती
 ती रा ते ॥ १८० ॥ श्रा न सं ध्या दी स क र्म जा ते ॥ पीढा चे पान गे भा जी ले ॥ दो
 न वी भा ग पे के ले ॥ आ ती ता चा आ नी आ पु ला ॥ १८१ ॥ तो वे डे पा ल टो
 नी वी श्या मी त्र ॥ ह्य णे ये ल मा ना धु धा ला ग ली फा र ॥ प्र म ते आं न्त स म
 ज्य ॥ जे नी वी प्र श्रें व मा त्रे ॥ १८२ ॥ प्रो ह न ह न ने ते वे का ॥ का ल चा उ प ना
 स म ज घ डु ला ॥ ओं घे च आं न्त जे नी ला ॥ मी ट क्या दे स ते वे व्ही ॥ १८३ ॥
 प्रो ह न स वे ची गु स लो ॥ जो ॥ य क सं व स र दे सा क र्म सी ला ॥ पो ट बां धो
 नी ते वे का ॥ डों बा घरी रा व नी जे ॥ १८४ ॥ हारी श्रेंद्र न हुरे डे ला ॥ पं जे
 र आ सी चा जा हा ला ॥ माहारी ह न ने से गे ला ॥ ये थर पो सो ली का सी या ॥ १८५ ॥
 प्र ने आ ला सी ना ग नी ला ॥ दो न भा र सु व र्ज ये थर गे ले ॥ म ग म स न स
 खा व या व ही ला ॥ डों बे डे वी ला हा री श्रेंद्र ॥ १८६ ॥ लै रु का म स न रा र ना वे ॥

द्रवैवीनाजाकुनद्यावे॥ रावहनेतातावरवे॥ आभीप्रमानमलतागी॥३४॥
 सुर्थउदईकरीभ्राल॥ आठवीहृदईवसीएचेरम॥ मगराखीतबैसेप्र
 सन॥ रात्रंदीवसनपवर॥३५॥ हारीश्रैद्रकासीसगेला॥ मुयेनगरी
 चाखुंठला॥ माहारीजणेआनीला॥ नीदेवकैचागाहांसी॥३६॥ या
 सीजेसघराकरानीले॥ मनुशाचमरनराहीले॥ दुखव्याकोहीनपडे॥
 दुखगेलेजावाचुनी॥३७॥ आमुचेहातीहृदयेगेले॥ करंटेब्रांछणउ
 पवासीमेले॥ साचेरीनद्यावेहोतेमले॥ दोनभारसुवर्न॥३८॥ ईक
 डेकाककौसीकाचेघसी॥ तारासतीभावेकामकरी॥ उसीतनाही
 दीवसरजी॥ णानापरीकष्ट॥३९॥ काककौसीकाचेममसीस॥
 यामधेरोहीदास॥ आंजनहनेममस्तास॥ जावेचुकुसीआ
 नावया॥४०॥ धमसमीधाकमकमाके॥ घेउनीयापुजेयेवे
 के॥ वनासीनीद्यालेआवधीमुले॥ रोहीदासासुमवेता॥४१॥

यकचुकसीपुसपाहाता॥ यकदर्शनसमीधातोडीता॥ सुरोवरीकमकाते॥ रो
 हीदासेदेखीला॥४२॥ वीत्यामीत्रतक्षकपाटवीला॥ तोआधीचकमकीबे
 सवीला॥ रोहीदासतेवेका॥ कमकनोडीताताडीले॥४३॥ आकस्मातडंकी
 लेहातासी॥ भीवोनीहाकफोडीरोहीदास॥ बतीसलझेनीकाकडोकस॥ सु
 छीतपडलाधरणीवरी॥४४॥ सककवाकआलेधावोनी॥ रोहीदासप
 डीलाधरनी॥ वाकआकंदतीहनोनी॥ तुजेजेवनीसीकायसांगावे॥४५॥
 रोहीदासहणेवाकासी॥ मातागहावीतहोलीभोजेनासी॥ मीलेमाचआलो
 वनासी॥ सतरयतोहनोनी॥४६॥ तुमीजाताजालधरास॥ मातापुशेलको
 हेरोहीदास॥ तरीमाज्ञानमस्कारजेवनीस॥ जावोनीसांगारजेवनीस॥४७॥
 तीसीशोकनकरुद्यावी॥ म्यालीचीशेवाकेलीणाठी॥ तोजेडुआलातेसम
 ई॥ प्राणसोडीलारोहीदासे॥४८॥ वाकरुतआलेघरासी॥ समाचारसांगती
 मातेसी॥ यरीमुछीतापडलीधरनीसी॥ कफसा लपांततीसीवाटला॥४९॥
 उढोनीआकंदतारासती॥ पाहाकैसीकमीचीगती॥ माजेमकवाकनीशी

सी॥ काके तेला हीरोनी॥ या॥५॥ मज आंधकी मंची का हीनेती॥ को न्याव
 नीजावो नीजावो नीपडीली॥ मजदरी हीनी चीगाही सो डीली॥ को न्यानीई
 यककेना॥५॥ मजदुबकी ये बाक काते॥ कोनेने ले हा लो हाते॥ मा
 झाक अपलर हो नीश्चीत॥ को न्यानीदेवे उपडीला॥५॥ राजहं समा झा
 रोहीदास॥ काके सावरी घातलाफाडा॥ मजघरणे बाक कास॥ कोटेरा
 लापडीलासी॥५॥ यासीशानसी उदकडे वीले॥ माझा बाक ओ शे लस
 केले॥ कोने वनी सासीटा कीले॥ काय बोलीलेते सांगा॥५॥ मी काम
 करीतला सता सप्रसमाना॥ घने माझे भागतीस॥ मजघने घने मरीवे
 स॥ माले पायराडी सो तुझे॥५॥ उटली पोटातुनी उबाके॥ मजमडाणेची
 वाहेजेक॥ मजपापी नी सदेसे बाक॥ जीरेलके से सांगपा॥५॥ म्यापु
 की वीचरपुजीला॥ वृत्ततपनेम चालवीला॥ पुर्नन करीता मधे टा
 कीला॥ लना नी होला रोही दास॥५॥ की बाके लोप की भेदा॥ की केला
 डारीक भे चा उछेद॥ साधु संता सी दो शे शे दुमीनेन ता बोली ले॥५॥

कीकेला परद्वे जाभीस॥ की नीदीले हारी हा रास॥ की कोना चे सुनी
 चा व्यास॥ काढोनी म्यानेला॥५॥ की मुरुदो हो केला संबक॥ की हे मुरु
 नीदेचे फक॥ की पात्री चा ब्रॉहन ता हाक॥ उटबोनी दन डीला॥५॥ की
 मतेचर आला दारासी॥ भीशानदे तादव डीला नीरासी॥ की करं गीनी
 जानी पाडस॥ म्या वी घ डीले पुकीचा॥५॥ की डारीहार चेरी त्रे उछे दीले॥
 की माता पुत्रासी वी घ डीले॥ वेदशास्त्र पुराने दी धले॥ की वी घुकेल
 परलाभी॥५॥ जहद हद याभीतरी॥ की प्रकोपे लला सा घरी॥ जनेनी पु
 ठली काम करी॥ मधे रात्र जाहाली॥५॥ मजसाची भोजन जाती॥ घर
 ची आवची चनी जली॥ हाक फोडीत चालली॥ रोही दासा घनेनी॥५॥
 राजमा कोडे पडीलासी॥ कारे पाडसा शे दु पा दे सी॥ मजमाते लपोनी बोला
 वीसी॥ गनीकै सी तु ज जाती॥५॥ वारे तु सेट सी मजला॥ मी यवोनी तु
 झवीनुला॥ पशी वक्ष्या गही वर आला॥ शोक ऐ कोनी ती ये चा॥५॥ वारेमा

ण

श्रीयादो कसा ॥ सरखा सुंदरा पाडसा ॥ कोटे आहे सीरा जहंसा ॥ रोहीदासा
 सकुमारा ॥ ६७ ॥ वारेनु नीष्टा वंत वाक का ॥ णपी सीपोहयाचे उदका ॥ ओं तर
 ला आयो ध्यानायका ॥ हारीचे द्रमजला कगी ॥ ६८ ॥ चहु कडेवनी धावता ॥ जा
 डकपाका आदकता ॥ आसुधम उभडावाहात ॥ जक के ती सीते ॥ ६९ ॥ सरो
 वारी होते प्रेत ॥ वीच्यामी नसती पुढे टाकीत ॥ तीच्यापायासी लागत ॥ य
 रीचापकोनी पाहाता ॥ ७० ॥ पुत्राचे शेरीरव करवीले ॥ मगनीडाका मेक
 वीले ॥ वारे मजनांही पुसीले ॥ कारे टाकील परदेशी ॥ ७१ ॥ वारे सुर्यवो
 शा मुमुट मनी ॥ मज काही बोलवानी ॥ तुआयो ध्यापतीचा पुत्र वनी ॥
 परदेशी पडलासी ॥ ७२ ॥ आउवेथेतले प्रेत ॥ पाह्ना ती सदरंश पुढता ॥
 मुखीया आस्तन घालीत ॥ हृदही धरीत हृदया सी ॥ ७३ ॥ मगरुषपाल
 होनी ॥ वीच्यामी नपुढे यजुनी ॥ हनेतु कोन येवनी ॥ रडतीस आ को
 हो ॥ ७४ ॥ मगने बोलेंदी जा ॥ सर्पेडुंकीला पुत्र माजा ॥ जो हारी श्रौ

पांडव

॥ श्री ॥

प्रताप ॥

द्रमाहासजा ॥ साचापुत्रहा आशे ॥ ७५ ॥ ब्रां हन हने आजीचे रत्री ॥ लवक
 रीजाकु पुत्रा प्रती ॥ सुर्य उदईडी बऐकती ॥ जाकु मदेती प्रेताते ॥ ७६ ॥
 मगने प्रेत उचलोनी ते आवसरी ॥ मती ज्याहानं की तीरी ॥ काष्टया
 व्ती ॥ आतीस लरी ॥ घेउनी आपन ची ॥ ७७ ॥ पुत्र घातला सरनात ॥
 हने रुदन करी यथे ॥ पैलतो मसन राखील ॥ मगजा कुने दी तुज
 लागी ॥ ७८ ॥ ब्रां हन तेथे गुप्त जाता ॥ तारा मतीन ॥ आकांत मांडीला ॥ तो
 हारी श्रौं दे कोन्हा वपेकीला ॥ जाक दे र्वीला मसनात ॥ ७९ ॥ धाउनी
 आलासती पासी ॥ केसी धरु नी वडी लती यसी ॥ मजन पुसता प्रेत
 जाकीसी ॥ कागे नदे सी द्रव्याते ॥ ८० ॥ ती मरागे वदी घलीलात ॥ उदक
 घालोनी सरन वीझकीत ॥ काष्टचहु कडे टाकीत ॥ बाहीर प्रेतका
 ठीले ॥ ८१ ॥ केसजकुनी आंग करपले ॥ सर्व आंगासी फोडाले ॥
 सती पुढे प्रेत ठाकीले ॥ वीभीछेपडी लले करु ॥ ८२ ॥ मग हने तारा

मती ॥ कै सीकती चीगती ॥ पै सै डं मसरन आवै ती ॥ वरी आनया ती स्प
 शी लती ॥ ६३ ॥ आठ्ठी संस्कार नहापुती ॥ बाहीरवठोनी टाकी लेपेताः
 रायाहारी श्रेंद्राची घामुता ॥ गती ललता ऐसी जाती ॥ ६४ ॥ आरे सु
 र्येवं शमाक वता ॥ रायेहारी श्रेंद्रा काय जाता ॥ माज्ञा प्राण काउर
 ला ॥ कायडोका पाहोडे ॥ ६५ ॥ ऐकता ऐसे उतर ॥ जवकी यउनी
 पुशेहारी श्रेंद्रा ॥ सांगतुको नाची सकुमार ॥ जाकी सीपुत्रको
 नाचा ॥ ६६ ॥ यरीमनेकापुससी येथी ॥ माझे कर्म बंधु बकीवंता ॥
 आठ्ठी संस्कार नीश्रीत ॥ पुरेनाही वाककासी ॥ ६७ ॥ मगतो बोले
 राजेंद्र ॥ सांगतुजाको नश्रनार ॥ सपे जोल तुज आंनसा चार ॥
 श्रीकी श्रेशनी आसे ॥ ६८ ॥ तारा मती बोले तेसेनी ॥ मीरायाहारी श्रें
 द्राचीरानी ॥ सपे रोहीदासा डंकी लेजनी ॥ सासी आठ्ठा देउआले ॥ ६९ ॥
 ऐसेहारी श्रेंद्रा ऐकोनी ॥ वझे स्पष्ट घेतले बडकोनी ॥ पुष्याम

स

लपडीला धरनी ॥ प्रसक्त आवनी आपटीत ॥ ७० ॥ तोबोले तारामती ॥ तु
 कोनसांगपामजप्रती ॥ यरुलनेमी चयेक वती ॥ आयोध्योपती
 हारी श्रेंद्रा ॥ ७१ ॥ मगलनेमार्हीती ॥ साचीसरीनपावती ॥ होकेवकम
 दनाचीमुती ॥ तेजमअस्तीनेसातो ॥ ७२ ॥ साचेनामश्रथकाकी ॥ स
 ककपापाचीहोयेहोकी ॥ यरुलनेमीयस्यकी ॥ दाडोलकरीडोंबा
 चे ॥ ७३ ॥ काककौमीकेतुजघेतले ॥ म्याडोंमाघरीदाडोलकेले ॥
 वरीसयकलोडले ॥ आंननाहीमजलागी ॥ ७४ ॥ ऐसीऐकनारयुषा ॥
 यकमकाचेगव्यपडोन ॥ तेवेकीशोककेलादारुन ॥ तेसांगताहृद
 यपुटे ॥ ७५ ॥ घेउनीरोहीदासाचेमडे ॥ हारी श्रेंद्राआक्रोडोरडे ॥ आ
 हावाकबापुडे ॥ होउनीपडीलेधस्यकी ॥ ७६ ॥ आरेसुर्येवंसीप
 डुला आंधकार ॥ गेलारोहीदासकुमार ॥ उचंबकलाशोकसा

स

१२॥ ना ही पारतया सी ॥ १७॥ हा शी श्रेष्ठ घने तारा मती सी ॥ मी पु सु न य
 तो आ पु ल्या ध म्मा सी ॥ आ जा छे उ नी य या सी ॥ दहन क र पे य म्ने ॥ १८॥ रा
 य गे ला डों बा ची या द र सी ॥ वी स्या मी त्र आ ता स ती पा सी ॥ तु ज ग्या मी ल वी
 व सी ॥ जा मे वे गे मी य धु नी या ॥ १९॥ तु सा क्र तार य जो व र्ण ॥ वै स या दे उ
 को भी त री ॥ म ग ते रे त छे उ नी सुं द री ॥ दे उ का स वै स त री ॥ ३०॥ ती स
 दु ख नी द्वे ष आ पी ल ॥ वी प्रे पो ट प्रे ता चे फो डी ल ॥ आ त डी का हो नी ते वे
 के ॥ मु र ना ते ला वी स ती च्छा ॥ ३०१॥ दे उ का त मा स वी र व र ले ॥ हा त पा म
 च ह, क डे टा की ले ॥ रं क ती ये आ मु र ना सी ला वी ले ॥ बा हे र आ ला आ
 प न ॥ ३०२॥ वी प्र क री शं र व धु नी ॥ ला व बा क र वा ते स नो नी ॥ तो सर ती
 आव घी र ज नी ॥ लो क धा उ नी आ ले ते भे ॥ ३॥ वे सी त हो ते मा हा र ॥
 हा सी हा का री वी स्या मी त्र ॥ आ रे ला व र वा ई ल तु ला स ॥ म ग ॥ कु क रु
 म चे कुं कु उ रे ना ॥ ४॥ ना शे पा र्ठी हो ती ला ग ली ॥ प को न आ लो तु

पांडव

॥ श्री ॥

प्रमाण

सा ज व की ॥ म्या मे वे हा क फो डी ती ॥ म ग ते गे ली दे उ का त ॥ ५॥ हा दे उ का
 त जो आ दे ॥ तो मा रा वी ल व ला हे ॥ म ग ते हा ता सी न य ॥ बा हे र गे ली या को
 ना च्छा ॥ ६॥ तु ला दे र जो न आ त गे ली ॥ दी व टी गे उ नी ध र व ही ती ॥ म ज
 ग्या सी ते वे की ॥ प री वा च लो तु म च्छा ना ॥ ७॥ म ग मा हा र ते भे आ ले ॥ व र
 क ट ते आ त सी र ले ॥ के सी ध र नी बा ही र वो अ डी ले ॥ प्रे त बां धी ले ग का
 ली च्छा ॥ ८॥ ती ये मा घा र हा त बां धो नी ॥ सा टे प्रार ती सी ज ला गु नी ॥ ते दु ख
 सां ग ला ध र नी ॥ उ लो पा हे स व र ॥ ९॥ डो के ती ये व रे बां धी ले ॥ ज ज रा ज
 द्वा रा सी छे उ नी गे ले ॥ लो क बी दो बी दी प को ला ग ले ॥ ला व आ ती स नो
 नी ॥ १०॥ य क क मा ट ला वी ती ॥ ले क र घ रा त प क ती ॥ धी ठ ते ज व क जा
 ती ॥ पा हा व या ला व ते ॥ ११॥ य क ल नी ती कं शी का चे म ही ॥ हे च हो ती क र
 ली ना ही ॥ आ त हे म झी ल स र्व ही ॥ ई सी ध धु नी टा का वे ॥ १२॥ प र वा
 दो छे शं स न मे ले ॥ ते ई ने च ग्या सी ले ॥ ई स डे की ता ना ही म ले ॥ जी वे

र

प्राण आता ही सी ॥ १३ ॥ मग कीरवा हो माहारा ॥ पाचारुनी सलार ॥ जनेवा
 लावे चासंकार ॥ कसना हेरने उनी ॥ १४ ॥ मग होंवाने के सी धरुनी ॥ वा
 रं ही आनी लेवही नी ॥ हा शी चेंद्रा सी जो ला उनी ॥ जने मारुनी टाका वीते ॥ १५ ॥
 यरु जने आज प्रमान ॥ जो क सी ले लार मती न धान ॥ मग ती जहा
 ती कर उनी स्नान ॥ भागे रथी जीवनी ॥ १६ ॥ स्नान करुनी वा हे रवा
 ली ॥ हृदई ची ती ला भवन ना की ॥ मावनी ठ करुनी बही ली ॥ य
 री पुनी ती हो सु धारे ॥ १७ ॥ मग तारा मती जने ने धवा ॥ जे जे नी स
 ना था मया सी वा ॥ हा शी चेंद्रा सपती हा वा ॥ जे नो जे नी स
 जला सी ॥ १८ ॥ रोही दासा रे सापत्रा ॥ वसी घा रे सा मुत ना य ॥ नी सा
 भी तारे सा मांय ता य ॥ थार्थ ॥ जे नो जे नी आ सो पे ॥ १९ ॥ जे जे
 जंम नी वा सा नारा य ना ॥ मज नो नी ट के ती मांन ॥ जने आता
 वेगी हा ना ॥ यक ची घा यक री हो ॥ २० ॥ हा न ना सी उ चली ला शे
 स्र कर ॥ ती मक न छे क सर्व चर ॥ वै कुं डी डु नी कर धरा ॥

यकाय की धा वी नला ॥ २१ ॥ हारे हारे जने नी ते वे का ॥ कर जंगनी वा से
 धरी ला ॥ चहु भु जे आ कं गी ला ॥ हा शी चेंद्रा नुपती ना ॥ २२ ॥ आ ही
 पुजा दी ये सर क ॥ वदन सुहा शे त मा क नी क ॥ वै जें ती आ पा द
 मा क ॥ हृदई जला क को सु का चा ॥ २३ ॥ हा शी चेंद्रा ची ये कं डी ॥ ज
 गं नी वा शे घा त ती नी डी ॥ रोही दास आ बुं त री घी ॥ उट की ल म
 ग वं ते ॥ २४ ॥ ला श मती सहृदई धरी त ॥ सी रो म नी तु पती व्रता स
 शे ॥ वी मानी नो जो नी सुर सु मस्त ॥ पा हो आ ले सुर म मस्त ॥ २५ ॥
 सी व म ना नी स म वे त ॥ ईंद्र आला शे ची स ही ल ॥ सा वे त्री स ही
 त स ये लोक ॥ पा हो आ ले ते ध ना ॥ २६ ॥ आ ले म क क रु सी स्व
 र ॥ ना ग न सी चे ना री नर ॥ पु र्न जा ना चा स मु र ॥ व सी घु स ह

रधा कीनला ॥ २० ॥ कीस्यामीत्ररुपप्रगटकेले ॥ हारीश्रेंद्रासीहृदईथे
 रीले ॥ तारा मतीसी आकंगीले ॥ कडे घेतलेरोही दास ॥ २० ॥ धंये
 तुमचेसवपुर्न ॥ केलेसुयेनीसीउधारन ॥ झोधीताहेत्रीभुवण ॥
 उपमानडोदसरी ॥ २१ ॥ कीस्यामीत्रेकोटीबंरुशेतपकेले ॥ लेस्र
 यहारीश्रेंद्रासीचोपीले ॥ खनेतुझेपीलीयासीउधरीले ॥ तुजपु
 कीलतपपुर्न ॥ ३० ॥ जालायकचीजैजैकार ॥ धडकतडुडुभी
 चागजेर ॥ पुस्पब्रीष्टीसुरवर ॥ वारंवारकरीताली ॥ ३१ ॥ लक्ष्
 मीमीसावेत्रीपावली ॥ तारा मतीसीभेटती ॥ आक्षेयवर
 दानदेती ॥ संतोसोनीतयाते ॥ ३२ ॥ वसीष्टासीदेखोन ॥ क
 रीताजातासाष्टांगनमन ॥ वसीष्टदाटलाप्रेमेकरन ॥ ख

पांडव

॥ श्री ॥

प्रताप

नेधंयेरजेद्रा ॥ ३३ ॥ आलावीरबाहोमाहार ॥ केलासाचाहीउ
 धार ॥ पावोनीयादीयेडोरीर ॥ स्वर्गलागीपाढवीला ॥ ३४ ॥ का
 रूकंसीकब्रांहन ॥ धरीतारा मतीचेचेरन ॥ खनेमातेतु
 सेदरुशेन ॥ घेतापापनुरेची ॥ ३५ ॥ कीस्यामीत्रेहीदासासी ॥
 गजरेआनीलेआयोधेसी ॥ लोकध्यावीनलेनेटावयासी ॥
 आनंदआकासीनसमाया ॥ ३६ ॥ दोघेस्त्रापुनीसीहासनी ॥
 आपुतेहातेडोडभरुनी ॥ रोहीदासपुढेबैसवोनी ॥ आभीशे
 ककेलारायासी ॥ ३७ ॥ हारीश्रेंद्रावरीधरीलेछेत्रा ॥ आजा
 माघोनीकीस्यामीत्र ॥ बंदीकाश्रमासीसवर ॥ गेलालेंहातपा
 सी ॥ ३८ ॥ साटीसश्रेंहेवरुशेवरी ॥ हारीश्रेंद्रआयोधेसजेक

सी

शी॥ मगरोही दास सावरी॥ सीसा सनी स्थापी ला॥ ३९॥ सकक जा
 यो ध्यान गर॥ कीमानी बेस बीहारी श्रेंद्र॥ कठनी सकला चा
 उधार॥ घेउनी गेला वेकुंटा॥ ४०॥ यापरी आया ध्या उधरी
 की॥ नगरी वेकुंटा सीनेली॥ ठारी श्रेंद्र कीली केली॥ पैकला
 सकक जरुंती पावे॥ ४१॥ जेकथा करीता जवन॥ सासी स
 दाकी जे येक ल्यान॥ आनी पावती वेकुंटा सुवना॥ ससेवने
 नव्या साचे॥ ४२॥ हेकथा जाती सुरस॥ धर्म सी सांगे लोने
 शे॥ युद्धी ही शतुही की शेसा॥ सवधी रसे साची॥ ४३॥ पु
 हेकथा गोड गहन॥ घोरो पावे जाती कोरब जेन॥ तेथे गं
 धर्व लेती धरोन॥ पाकशासन आ जेन॥ ४४॥ पांडव प्रताप

आनंदवन॥ कदंब वृक्षे ठारी श्रेंद्र पावन आख्यान॥ प्रेमक
 भक्तपंडीत जेन॥ श्रवन करेत्त सर्वदा॥ ४५॥ संत श्रोती थाण
 मकार॥ साष्टांग श्याली श्रीधरा॥ ब्रह्मानंद होउनी नीर तर॥ हे
 चोरी त्रपरी सावे॥ ४६॥ सुरस पांडव प्रताप ग्रंथ॥ आरंभ्येवण
 पर्व व्यासभारथ॥ सातील साशंस येथार्थ॥ सीसा व्यातकभी
 येले॥ ४७॥ प्रसंग वशी॥ ३४७॥ संपुर्ण मस्तु॥ श्री श्री सा आर्पित म
 स्तु॥ हे पुस्तक श्रीवरा मसो नाराचे आसे॥ गावना के स्वर ही
 कोना॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥ ४९॥

Handwritten musical notation consisting of two rows of rhythmic symbols, possibly representing notes or rests.

